10 लाख को स्वरोजगार देगी 'जीविका'

कार्यालय प्रतिनिधि, पटना : हमारी 55 प्रतिशत ग्रामीण आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रही है। इनके सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विकास को जीविका के तहत कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अब तक दो लाख लोगों को जीविका के माध्यम से लाभांवित किया जा चुका है। अगले पांच वर्ष में 10 लाख लोगों को जीविका से लाभांवित करने का लक्ष्य है। तब तक 1.2 करोड़ ग्रामीण परिवारों को भी जीविका से जोड़ने का लक्ष्य है। वहीं वर्ष 2013-14 में एक लाख लोगों को स्वरोजगार बनाया जाएगा। एक अन्य कार्यक्रम खेत-पोखर के द्वारा एक लाख नए तालाब खोदने का लक्ष्य है। उक्त बातें ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्र ने शनिवार को बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के तत्वाधान में जैव उर्वरक विषय पर आयोजित एन्टरप्रन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (ईडीपी) में कहीं।

कार्यक्रम में संबोधित करते मंत्री नीतीश मिश्र व अन्य जागरण

मंत्री नीतीश मिश्र ने कहा कि 32 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र में लोगों को प्रशिक्षण एवं आवश्यक निधि अग्रणी बैंकों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 6 हजार लोगों ने इस स्कीम से सहायता प्राप्त की है। अब इसे सभी 38 जिलों में लागू किया जा रहा है। बिहार इंवोवेशन फोरम द्वारा राज्य एवं देश के उच्च प्रबंधकीय विचारों एवं उद्यमी सोच को आमंत्रित किया जाएगा।

बीआइए अध्यक्ष केपीएस केशरी ने जैव उर्वरक विषय पर आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से कृषि विकास को बल मिलेगा। बीआइए ईडीपी उप समिति के रत्नाकर मिश्र, संयोजक मनोज सिन्हा, संजीव श्रीवास्तव एवं अतुल प्रियदर्शी ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम को व्यवहारिक एवं स्थानीय भाषा में लोगों तक पहुंचाने की बात कही।